Victims of 11/7/2006 Terror Attack

C/o Dr. Kirit Somaiya – Ex MP, Mulund East, Mumbai 400 081 Tel: 21634152 Email: kiritsomaiya@gmail.com

His Excellency
Hon'ble Governor of Maharashtra
Raj Bhavan
Mumbai

Sub: No action against terrorists after 5 years

Ref: 11 July 2006 Terrorist attack on 7 trains in Mumbai. 187 Dead, 890 Injured.

Your Excellency,

The horrible terror attack of 11th July 2006 bomb blast in 7 local trains in Mumbai had shattered the lives of Mumbaikars leaving behind 187 persons dead and 890 injured.

Inordinate delay and snail-pace progress in judicial proceedings of 11/7/2006 terror attack. The victims and families of 11.7.2006 terror attack are still suffering from not just the traumatic experience but subsequent surgeries and long medical treatment.

Most saddening part is that on at the end of 5th year,

- The judicial hearing is yet to take off in the lowest court, i.e. Sessions Court of Mumbai.
- 13 absconding in Pakistan
- Final punishment (in Supreme Court...) will go upto 2021

It is the apathy, lethargy and lack of commitment on the part of the system. We the victims are suffering psychologically and physically and the terrorists, criminals are free and enjoying life. It is a tragedy that we were travelling in the local trains on that day. Thousands of victims and family belong to the lower and middle class. Relief, rehabilitation and justice to them is going to take another ten years.

On the other hand, 26th November 2008 terror attack case is on the fast track. Terrorist Kasab is given death penalty by the lower court. Judgement of the Mumbai High Court will also be announced shortly. It is said that, as the victims include dozens of foreign nationals, high society people, 5-star hotels, and pressure from foreign governments, investigation is completed and punishment announced. For how many more years will the victims / sufferers of 11th July 2006 terror attack, will have to wait to get justice?

On the eve of the 5th anniversary, we the victims and families have expressed our anguish and feelings to your Honour. We request

(i) Fast Track / Special Court

(ii) Top priority in High Court & Supreme Court

(iii) Special efforts to bring back of 13 absconding terrorist from Pakistan.

Thanking you,

Victims of 11/7/2006 Terror Attack

C/o Dr. Kirit Somaiya – Ex MP, Mulund East, Mumbai 400 081 Tel: 21634152 Email: kiritsomaiya@gmail.com

महामान्य
महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल
राज भवन
मुंबई

fo"k;% 5 lky ckn Hkh vkradokfn;ksa ds f[kykQ dkbZ dkjokbZ ugh-
lnHkZ% 11 tqykbZ 2006 eqacbZ esa 7 Vsªuksa ij vkradoknh geykA 187 ejs] 890 t[eh

महानुभाव,

11 जुलाई 2006 में मुंबई में 7 लोकल ट्रेनों में बम विस्फोट की भयानक आतंकवादी हमले में 187 मरे तथा 890 बुरी तरह घायल हुए जिससे मुंबईकरों की जंदगी विखर गयी थी।

इस आतंकी हमले की न्यायिक कार्यवाही में धीमी गति से प्रगति के कारण अत्यधिक बिलंब हो रहा है। इस आतंकी हमले के पिडित परिवारों को अभी भी न सिर्फ दर्दनाक अनुभव बल्कि लगातार सर्जरी व लंबे समय तक चिकित्सा उपचार सता रही है।

5 वर्ष बाद भी सबसे दुःखदायी बात यह है कि

- निचली अदालत यानि मुंबई के सत्र न्यायालय में अभी तक सुनवाई नही
- 13 आरोपी पाकिस्तान फरार
- अंतिम सजा (सुप्रीम कोर्ट में....) 2021 तक जा सकता है।

यह सरकारी सिस्टम की ओर से उदासीन, सुस्त और प्रतिबद्धता की कमी है। हम पिडितों मानसिक और शारिरीक रूप से तकलीफ में है और आतंकवादियों, अपराधियों मुक्त जीवन का आनंद ले रहे है। यह एक त्रासदी है कि हम लोकल ट्रेनों में उस दिन सफर कर रहे थे। हजारों पिडित व उनके परिवार निचले और मध्यम वर्ग के है। राहत, पुनर्वास और उन्हें न्याय मिलने के लिए आगे 10 साल लग जायेंगे।

दुसरी ओर 26 नवम्बर 2008 आतंकवादी हमले के मामले तेजी से निपट रहे है। निचली अदालत द्वारा आतंकवादी कसाब को मौत की सजा सुना दी गयी। मुंबई उच्च न्यायालय के फैसले की भी शीघ्र ही घोषणा की जायेगी। यह कहा जाता है कि इस हमले के पिडितों में दर्जनों विदेशी नागरिक, उच्च सोसायटी के लोग, 5 सितारा हॉटेल्स प्रभावित थे साथ ही विदेशी सरकारों के दबाव के कारण जॉच जल्द पुरी हुई और सजा सुनाई गयी। 11 जुलाई 2006 के आतंकी हमले के पिडितों को और कितने वर्षों तक न्याय पाने के लिए इंतजार करना होगा ?

हमले के 5वी वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर हम पिडितों और उनके परिवारजनों ने हमारी पीडा और अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। हम अनुरोध करते है कि

1. फास्ट ट्रैक / विशेष अदालत की स्थापना
2. उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में शीर्ष प्राथमिकता
3. पाकिस्तान से 13 फरार आतंकवादियों को वापस लाने के लिए विशेष प्रयास

धन्यवाद!